भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 784
बुधवार, 7 फरवरी, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

थंडरस्टॉर्म पर अनुसंधान

784. श्रीमती चिंता अनुराधा:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का भारत के पूर्वी भाग में थंडरस्टॉर्म रिसर्च टेस्टबेड के लिए आधारभूत ऑब्जरवेशनल नेटवर्क स्थापित करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इसके पूरा होने की निर्धारित समय-सीमा क्या है;

(घ) इस संबंध में क्या लाभ प्रस्तावित हैं; और

(ङ) इस संबंध में क्या अतिरिक्त उपाय किए जाने हैं?

उत्तर
पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(श्री किरेन रीजीजू)

(क)-(ख) जी हां। थंडरस्टॉर्म रिसर्च टेस्टबेड प्रोजेक्ट गांगेय पश्चिम बंगाल के दक्षिणी भागों, पूर्वी झारखंड तथा उत्तरी ओडिशा में स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।

(ग) इस परियोजना को वर्ष 2026 तक पूरा किए जाने की योजना बनाई गई है।

(घ) इससे भारत के पूर्वी भाग में गर्ज के साथ तूफान के निर्माण, वृद्धि तथा प्रसार को समझने में मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त,गर्ज के साथ तूफानों के मॉडलों को बेहतर बनाने की समझ के विज्ञान को सहायता मिलेगी तथा गर्ज के साथ तूफानों की प्रचालनात्मक पूर्वानुमान क्षमता में सुधार होगा ।

(ङ) थंडरस्टॉर्म रिसर्च टेस्टबेड प्रोजेक्ट एक अलग परियोजना नहीं है। इसकी योजना पूर्वी भारत में भारत सरकार के पहले से मौजूद वायुमण्डलीय प्रेक्षण अवसंरचना के संपूरक के रूप में बनायी जा रही है। इस परियोजना को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की योजना स्कीमों के तहत इस क्षेत्र में नियोजित की जा रही अतिरिक्त अवसंरचना से भी लाभ मिलेगा।

****